tci THE CHALLENGE INITIATIVE INDIA

शहरी गरीबों के बीच परिवार नियोजन सेवाओं की पहुँच को आसान बनाने के लिए महिला आरोग्य समितियों का सशक्तिकरण

महिला आरोग्य समिति
श्रृंखला संस्करण- 2.0

जेंडर इंटेंशनल

उद्देश्य

यह टूल समुदाय की स्वास्थ्य और परिवार नियोजन संबंधी जरूरतों को पूरा करने के प्रति महिला आरोग्य समितियों को सक्षम बनाने के लिए दिशा प्रदान करता है। इस टूल में सुझाया गया है कि कैसे महिला आरोग्य समितियों की स्थापना की जाए व इन्हें सक्षम समूहों के रूप में कैसे स्थापित किया जाए और इनमें स्वास्थ प्रेरकों के रूप में काम करने की क्षमता को कैसे विकसित किया जाए।

प्रयोगकर्ता (जो इस टूल का प्रयोग करेंगे)

- एडिशनल डायरेक्टर/जॉइंट डायरेक्टर
- जेनरल मैनेजर–शहरी स्वास्थ्य व परिवार नियोजन (नेशनल हेल्थ मिशन (एन.एच.एम)
- मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सी.एम.ओ)/डिशनल चीफ मेडिकल ऑफिसर्स (ए.सी.एम.ओ)
- नोडल अधिकारी शहरी स्वास्थ्य व परिवार नियोजन
- डिविजनल अरबन हेल्थ कंसल्टेंट (यू.एच.सी)
- जिला कार्यक्रम प्रबंधक (डी.पी.एम)
- अरबन हेल्थ कोऑर्डिनेटर (यू.एच.सी)
- जिला सामुदायिक प्रक्रिया प्रबंधक (डी.सी.पी.एम)/शहरी सामुदायिक प्रक्रिया प्रबंधक (सी.सी.पी.एम)
- एफ.पी.एल.एम.आई.एस प्रबंधक
- प्रभारी चिकित्साधिकारी–शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (यू.पी.एच.सी)
- ऑक्जीलियरी नर्स मिडवाइफ (ए.एन.एम)
- गैर–सरकारी संस्थाएं (एन.जी.ओ)

पृष्ठभूमि

महिला समूह, समुदाय स्तर पर स्वास्थ्य प्रचार प्रयासों के आधार को विस्तारित करने और स्थायी समुदाय प्रक्रियाओं का निर्माण करने में प्रभावी हो सकते हैं। यही ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन (एन.यू.एच.एम) ने महिला आरोग्य समिति की भूमिका तैयार की है। इन समितियों के द्वारा एन.यू.एच.एम ने सामुदायिक सशक्तिकरण व नेतृत्व के प्रति एक दूरगामी लक्ष्य निर्धारित किया है।

एन.यू.एच.एम दिशा–निर्देश (रेफर करें राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन द्वारा शहरी संदर्भ में आशा और महिला आरोग्य समिति के लिए दिशानिर्देश पृष्ठ संख्या 17 से 23) महिला आरोग्य समिति को एक समुदाय समूह के रूप में परिभाषित करते हैं जो समुदाय जागरूकता, पारस्परिक संवाद, सामुदायिक मॉनिटरिंग व सेवाओं/रेफरल के साथ संबंध स्थापित करता है। यह समूह समुदाय में स्वास्थ्य संबंधी व्यवहारों को बढ़ावा देने की ओर विशेष तौर पर काम करता है। साथ ही यह स्वास्थ्य केन्द्रों तक पहुँच को आसान बनाता है तथा अनटाईड फण्ड का प्रबंधन कराता है। समुदाय के सदस्यों को अपने स्वास्थ्य संबंधी अधिकार प्राप्त करने में सहयोग देना, महिला आरोग्य समिति का एक प्रमुख कार्य है।

प्रभाव के प्रमाण

अन्य देशों से प्राप्त दस्तावेजीकृत प्रमाण दिखाते हैं कि महिला समूहों का प्रभाव परिवार नियोजन और मातृ तथा नवजात स्वास्थ्य में सुधार पर कैसे पड़ता है (संदर्भ के लिए– विमेन ग्रुप प्रेकटिसिंग पार्टिसीपेटरी लर्निंग एंड एक्शन टु इम्प्रूव मेटरनल एंड न्यू बार्न हैल्थ इन लो रिसोर्स सेटिंग, ए सिस्टेमेटिक रिव्यू एंड मेटा एनालिसेस, लैनसेट 2013, 381, पृष्ठ संख्या 1736 से 1746 में छपा लेख)।

इसी तरह, द चैलेंज इनीशिएटिव (टी.सी.आई) इंडिया के कोचिंग और मेंटोरिंग समर्थन के साथ, उत्तर प्रदेश के सरकारी अधिकारियों ने 25 शहरों में परिवार नियोजन सेवाओं तक पहुंच में सुधार के लिए महिला आरोग्य समिति का उपयोग किया। इन टी.सी.आई इंडिया हस्तक्षेप वाले शहरों में, 5113 सक्रिय महिला आरोग्य समिति में से 40% को अनटाईड फण्ड प्राप्त हुए, जिनमें से 70% महिला आरोग्य समिति ने अनटाईड फण्ड का उपयोग किया। टी.सी.आई इंडिया ने 29 शहरों में 50% महिला आरोग्य समिति के सदस्यों के लिए परिवार नियोजन प्रशिक्षण में सरकार की सहायता की, जिन्होंने फिर शेष महिला आरोग्य समिति सदस्यों को प्रशिक्षित किया। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद, इन समूहों ने अपने मौजूदा एजेंडा में परिवार नियोजन को जोड़ा। आशा की सहायता से, महिला आरोग्य समिति ने समुदाय को परिवार नियोजन की जानकारी वितरित करने और योग्य दम्पति को सरकारी योजनाओं के तहत प्रदान की गई परिवार नियोजन सेवाओं तक पहुँच बढ़ाने वाली एक रिसोर्स एजेंसी का काम किया। विश्व जनसंख्या दिवस 2022 पखवाड़े के दौरान लगभग 47% महिला आरोग्य समिति ने आशा को सास बेटा बहू सम्मेलन आयोजित करने में सहायता की। कई महिला समूहों ने पोषण, नियमित टीकाकरण, नवजात देखभाल आदि से संबंधित सेवाएं समुदाय तक पहुँचने का काम भी किया।

"मैंने एक युवा महिला मोनी को बच्चों के बीच अंतर के लिए परिवार नियोजन के विकल्पों के बारे में जानकारी दी। हालांकि, उसकी सास ने उसे किसी भी परिवार नियोजन विधि को अपनाने से रोक दिया। मैंने उसकी सास को परामर्श देने की कोशिश की, लेकिन उसने मेरी बात नहीं सुनी। जल्द ही, मुझे पता चला कि मोनी अपने दूसरे बच्चे के साथ गर्भवती थी। उसकी दूसरी डिलीवरी के बाद, मैंने महिला आरोग्य समिति के सदस्यों से बात की और उनसे अनुरोध किया कि वे मोनी की सास को परामर्श दें ताकि वह फिर से गर्भवती न हो। महिला आरोग्य समिति के सदस्यों ने मोनी और उसकी

सास को अपनी अगली समूह बैठक में आमंत्रित किया जहाँ उन्होंने दोनों को परामर्श दिया। जल्द ही मोनी डॉक्टर से मिली जिन्होंने उसे परिवार नियोजन विकल्पों के बारे में समझाया और मोनी ने अपनी पसंद की एक विधि का लाभ उठाया"

हीरावती, आशा, मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश।

महिला आरोग्य समिति का गठन करने और उसे सुदृढ़ बनाने के लिए मार्गदर्शन

1. ऐसी महिलाओं की पहचान करना जो महिला आरोग्य समिति का गठन कर सकती हैं

1.1 दिशानिर्देशों के अनुसार, ऐसे परिवारों के समूहों को चिन्हित करें जहाँ महिला आरोग्य समिति का गठन करने की आवश्यकता है।

1.2 समुदाय की स्वास्थ्य संबंधी ज़रूरतों को समझने के लिए बैठक करने के बाद, आशा चिन्हित की गई महिलाओं को महिला आरोग्य समिति की भूमिका समझाएगी।

1.3 जो महिलाएं इन बैठकों में लगातार भाग लेती हैं, वे महिलाएं समिति के सदस्यों के रूप में उभरेंगी।

1.4 मलिन बस्तियों में जहां महिलाओं के अन्य समूह जैसे स्वयं सहायता समूह, बचत समूह, आई.सी.डी.एस मातृ समितियां आदि मौजूद हैं उन्हें महिला आरोग्य समिति के बारे में आशा द्वारा जानकारी मिलनी चाहिए। उन्हें समिति में शामिल होने या नई समिति का गठन करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। उन्हें महिला आरोग्य समिति में शामिल होने के लिए चुना जा सकता है, बशर्ते कि–

a. उनसे संबंधित अधिकृत विभाग जैसे राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (एन.यू.एल.एम), जिला शहरी विकास एजेंसी (डूडा), आई.सी.डी.एस आदि उनको अनुमति दें।

b. सभी सामाजिक–आर्थिक वर्गों से नए सदस्यों और प्रतिनिधियों को शामिल करने के लिए वे सहमत हों

c. अपने एजेंडा में स्वास्थ्य को एक प्राथमिक मुद्दे के रूप में शामिल करें।

महिला आरोग्य समिति सदस्यों का चयन

1. महिला आरोग्य समिति सदस्यों के चयन के लिए मुख्य मानदंड उनकी प्रतिबद्धता और सामूहिक रूप से समुदायिक कार्य करने की इच्छा होनी चाहिए।
2. समुदाय के सबसे गरीब और सबसे हाशिए पर रहने वाले वर्गों की महिलाओं को समिति में शामिल करना महत्वपूर्ण है क्योंकि उनकी स्वास्थ्य जानकारी और सेवाओं तक पहुंच सबसे कम होती है।

2. परिवार नियोजन सहित स्वास्थ्य के मुद्दों पर महिला आरोग्य समिति के सदस्यों की क्षमता वृद्धि करना

2.1 एन.यू.एच.एम के बजट के अनुसार महिला आरोग्य समिति के सदस्यों को परिवार नियोजन, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के संबंध में प्रशिक्षण प्रदान करने की योजना बनाएं।

2.2 बार–बार पूछे जाने वाले प्रश्नों सहित अन्य आइ.ई.सी सामग्री और जॉब–एड उपलब्ध कराएं।

2.3 जेंडर एकीकरण गतिविधियों के लिए महिला आरोग्य समिति को संसाधन प्रदान करें।

2.4 महिला आरोग्य समिति के सदस्यों के साथ कुछ घरों का दौरा करें और परिवार नियोजन के संबंध में पति–पत्नी के बीच साझा निर्णय लेने को बढ़ावा देने के लिए अंतर–दाम्पत्य संचार पर उनके क्षमता निर्माण को जारी रखें।

2.5 उन्हें दैनिक संचार में "महिलाओं" के बजाय "लोग" "व्यक्ति" या "व्यक्तिगत" जैसी जेंडर–समावेशी भाषा का उपयोग करने के लिए प्रेरित करें।

2.6 सांस्कृतिक और सामाजिक मानदंडों को संबोधित करने के लिए महिला आरोग्य समिति सदस्यों को कोच करें जो जेंडर समानता पर प्रभाव डालते हैं, जैसे गर्भधारण पूर्व और प्रसव पूर्व निदान तकनीक (पी.सी.पी.एन.डी.टी) अधिनियम पर जागरूकता बढ़ाने, दाम्पत्य संचार को बढ़ावा देने, और परिवार नियोजन में पुरुष भागीदारी बढ़ाने पर।

2.7 सबसे हाशिए पर रहने वाले आबादी समूहों को शामिल करने, संसाधनों को इकट्ठा करने और उपयोग करने, एडवोकेसी करने आदि जैसे मुख्य मुद्दों को मजबूती से प्रस्तुत करें।

2.8 महिला आरोग्य समिति को डूडा अथवा आई0सी0डी0एस परियोजना अधिकारियों से जोड़ें।

विश्व जनसंख्या दिवस, वर्ल्ड कॉन्ट्रासेप्शन डे, सास बेटा बहू सम्मेलन, आरोग्य मेला, या स्तनपान सप्ताह जैसे मंचों का उपयोग करके महिला आरोग्य समिति की दृश्यता और पहचान बढ़ाएं। ऐसी पहचान समूह को मजबूत और प्रेरित करती है।

महिला आरोग्य समिति के मुख्य कार्य

1. मलिन बस्तियों का मानचित्र बनाने, उन्हें सूचीबद्ध करने तथा समुदाय में संसाधनों का मानचित्र तैयार करने हेतु आशा को सहायता प्रदान करना।
2. स्वास्थ्य, जल, स्वच्छता, पोषण और शिक्षा से संबंधित अनिवार्य सार्वजनिक सेवाओं तक पहुंच को सुगम बनाना तथा उनको मॉनिटर करना।
3. शहरी स्वास्थ्य और पोषण दिवस (यू.एच.एन.डी) के आयोजन में आशा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और ए.एन.एम को सहायता प्रदान करना और सामुदायिक सत्रों में शामिल होने के लिए महिलाओं, किशोरों और बच्चों को जुटाना।
4. परिवार नियोजन सहित स्वास्थ्य सेवाओं के लिए मांग पैदा करना।
5. पात्र दम्पति को फिक्स्ड डे स्टेटिक सेवा (एफ.डी.एस)/अंतराल दिवस के लिए रेफर करें।
6. पी.सी.पी.एन.डी.टी अधिनियम, पति–पत्नी संवाद, पुरुषों की आर.सी.एच में भागीदारी जैसे जेंडर मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाने में आशा का सहयोग करें।
7. जेंडर एकीकरण गतिविधियों या सिमुलेशन खेलों, उदाहरण के लिए समुदाय में बेटे की प्राथमिकता देने की मानसिकता बदलने के लिए इंटरएक्टिव खेल (सफेद और काली मार्बल खेल), क्रांति भ्रांति राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम का एक इंटरएक्टिव खेल, आदि में सहयोग करें।
8. परिवार नियोजन पर पति–पत्नी संवाद को बढ़ावा देने और समुदाय से जेंडर चौंपियन की पहचान करने में आशा का समर्थन करें।
9. पात्र दम्पति को अपने परिवारों की स्मार्ट योजना बनने के लिए प्रोत्साहित करें, जैसे बच्चों के बीच उचित अंतराल बनाए रखें और परिवार नियोजन विधि अपनाने पर आपसी सहमति बनाएं।
10. स्वास्थ्य सुविधाओं तक समुदाय की पहुँच सुनिश्चित करें, आवश्यकता होने पर पात्र दम्पति के साथ जाये।
11. परिवार नियोजन विधियों सहित अन्य स्वास्थ्य आपूर्तियों के वितरण में आशा तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को सहायता करना। वे कंडोम, ओ.सी.पी,

ओ.आर.एस आदि के लिए डिपो धारक का कार्य भी कर सकती हैं।
12. समुदाय की स्वास्थ्य आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए अनटाईड फण्ड का उपयोग करना।
13. स्वास्थ्य अभियानों, विशेष कार्यक्रमों और अन्य अभियानों में भागीदारी करना, जैसे विश्व जनसंख्या दिवस, पुरुष नसबंदी पखवाड़ा आदि।

महिला आरोग्य समितियों के सशक्तिकरण के लिए भूमिका और जिम्मेदारिया

1. जेनरल मैनेजर परिवार नियोजन/अरबन/ जॉइंट डायरेक्टर/ एडिशनल डायरेक्टर

1.1 सुनिश्चित करें कि सभी शहरों मे महिला आरोग्य समिति का गठन हो।
1.2 सभी शहरों को इस टूल के इस्तेमाल और संदर्भ के लिए दिशानिर्देश जारी करें। महिला आरोग्य समितियों को सक्षम बनाने के लिए निर्देश दें।

2. सी.एम.ओ/ए.सी.एम.ओ

2.1 महिला आरोग्य समिति के लिए योजना बनाएं और बजट तैयार करें।
2.2 महिला आरोग्य समिति के गठन और कार्यकरण की समीक्षा करें।
2.3 यह सुनिश्चित करें कि महिला आरोग्य समिति के लिए प्रशिक्षण, कैलेंडर के अनुसार आयोजित किए जाएँ।
2.4 महिला आरोग्य समिति के बैंक खाते खुलने और अनटाईड फण्ड का वितरण सुनिश्चित करें।

3. नोडल अधिकारी, शहरी स्वास्थ्य

3.1 महिला आरोग्य समिति को आई.ई.सी सामग्री और स्वास्थ्य सामग्री (जैसे कि परिवार नियोजन की सामग्री) उपलब्ध कराएँ।
3.2 महिला आरोग्य समिति के सदस्यों को सरकार की रोजगार योजनाओं के साथ जोड़ें, जैसे एन.यू.एल.म, कौशल विकास मिशन, स्टार्ट–अप मिशन।

4. जिला कार्यक्रम प्रबंधक, अरबन हेल्थ कोऑर्डिनेटर, सामुदायिक प्रक्रिया प्रबंधक

4.1 नोडल अधिकारी–शहरी स्वास्थ्य के साथ समन्वय कर महिला आरोग्य समिति की गतिविधियों के कार्यान्वयन में सहायता प्रदान करें।
4.2 अच्छा प्रदर्शन करने वाली महिला आरोग्य समितियों को पुरस्कार प्रदान करें और सम्मान दे।

5. प्रभारी चिकित्सा अधिकारी, यू.पी.एच.सी

5.1 महिला आरोग्य समिति की स्थापना के संबंध में समुदाय की महिलाओं को जानकारी देना।
5.2 प्रशिक्षण, यू.एच.एन.डी, सामुदायिक कैम्पों और 'सास बेटा बहू सम्मेलन' में महिला आरोग्य समिति के सदस्यों की भागीदारी सुनिश्चित करना।
5.3 आई.ई.सी सामग्री और स्वास्थ्य आपूर्तियों का उपयोग करने के लिए महिला आरोग्य समिति के सदस्यों को प्रोत्साहित करना।

6. ए.एन.एम

6.1 महिला आरोग्य समिति की बैठकों का संचालन करने में आशा को सहायता प्रदान करें।
6.2 आशा के साथ उनके क्षेत्र में महिला आरोग्य समितियों की कार्य प्रगति की समीक्षा समय–समय पर करें।
6.3 महिला आरोग्य समिति के संबंध में रिपोर्ट तैयार कर यू.पी.एच.सी को प्रस्तुत करें।

परिवार नियोजन में महिला आरोग्य समितियों की गतिविधियों की मॉनिटरिंग करना

एन.यू.एच.एम दिशा–निर्देशों के अनुसार, महिला आरोग्य समितियों की मॉनिटरिंग के संबंध में आशा/ए.एन.एम द्वारा शहर के सी.एम.ओ को प्रदान की जाने वाली रिपोर्ट में निम्नलिखित संकेतक शामिल हैं:

1. गठन की गई महिला आरोग्य समितियों की संख्या
2. परिवार नियोजन का प्रशिक्षण पाने वाली महिला आरोग्य समितियों की संख्या और प्रतिशत
3. अनटाईड फण्ड प्राप्त और उपयोग करने वाली महिला आरोग्य समितियों की संख्या
4. आयोजित आउटरीच, यू.एच.एन.डी और कैम्पों की संख्या की तुलना में महिला आरोग्य समितियों के सदस्यों द्वारा सहायता प्राप्त यू.एच.एन.डी और कैम्पों की संख्या

लागत के तत्त्व

यह तालिका मात्र एक सूचक है और यह दर्शाती है कि किस प्रकार से लागत का सरकारी पी.आई.पी में प्रावधान किया जाता है। इस प्रकार से श्रोताओं को मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है कि किसी विशेष कार्य जैसे 'महिला आरोग्य समिति की स्थापना' से जुड़ी लागत की तलाश कहां करें।

पी.आई.पी बजट हेड	एफ.एम.आर कोड
महिला आरोग्य समिति के सदस्यों का प्रशिक्षण	HSS(U).2.131– महिला आरोग्य समिति
अनटाईड फण्ड	HSS(U).9.149.UG.3 (अनटाईड फण्ड महिला आरोग्य समिति के लिए)

स्रोतः एन.एच.एम पी.आई.पी दिशानिर्देश 2022–2024

निरंतरता

महिला आरोग्य समितियों को स्थायी बनाना एक लंबे समय तक चलने वाली प्रक्रिया है, जिसमें आशा और अन्य स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा समितियों को निरंतर प्रशिक्षण, सहयोग और मार्गदर्शन की आवश्यकता है। इसके लिए, समितियों को सरकार की विभिन्न रोजगार योजनाओं से जोडने की आवश्यकता है, साथ ही में पी.आई.पी के माध्यम से वार्षिक बजट की व्यवस्था करना भी आवश्यक है। अच्छा प्रदर्शन करने वाली महिला आरोग्य समितियों को पुरस्कार देने और उनका सम्मान करने से उन्हें लगातार काम करते रहने के लिए प्रोत्साहन प्राप्त होता है।

उपलब्ध संसाधन

1. राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन द्वारा शहरी संदर्भ में आशा और महिला स्वास्थ्य समिति संबंधी दिशानिर्देश, पृष्ठ संख्या 17 से 23
2. महिला स्वास्थ्य समितियों का प्रशिक्षण– अंग्रेजी संस्करण
3. महिला स्वास्थ्य समितियों का प्रशिक्षण– हिंदी संस्करण
4. गर्भनिरोधक प्रदर्शन किट
5. फॅमिली प्लानिंग इफेक्टिवनेस चार्ट
6. प्रेगनेंसी स्क्रीनिंग चेकलिस्ट
7. लक्ष्य समूह सेगमेंटेशन मैट्रिक्स
8. विधि–विशिष्ट प्रशिक्षण पी.पी.टी
9. विधि–विशिष्ट परामर्श कार्ड
10. बार– बार पूछे जाने वाले प्रश्न और उत्तर
11. आर.के.एस.के का क्रांति भ्रांति खेल
12. विमेन ग्रुप प्रेकटिसिंग पार्टिसीपेटरी लर्निंग एंड एक्शन टु इम्प्रूव मेटरनल एड न्यू बार्न हैल्थ इन लो रिसोर्स सेटिंग, ए सिस्टेमेटिक रिव्यू एंड मेटा एनालिसेस, लैनसेट 2013, 381, पृष्ठ संख्या 1736 से 1746
13. एन.एच.एम पी.आई.पी दिशानिर्देश विशेष वित्तीय वर्ष के लिए
14. टी.सी.आई इंडिया टूल फिक्स्ड डे स्टैटिक अप्रोच टू एक्सपैंड एक्सेस टू क्वालिटी फैमिली प्लानिंग सर्विसेज https://tciurbanhealth-org/lessons/fiÛed&-day&static&approach/
15. टी.सी.आई इंडिया का मैपिंग और लिस्टिंग टूल– https://tciurbanhealth-org/lessons/mapping&urban&slums/
16. टी.सी.आई इंडिया टूल इनेबलिंग अर्बन आशा– https://tciurbanhealth-org/lessons/enbling&social&health&activists/
17. मोस्ट सिग्नीफिकेंट चेंज स्टोरी– स्ट्रेंग्थेनिंग बिटवीन लिंकेजेस कम्युनिटी स्ट्रक्चर एंड हेल्थ सिस्टम इन मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश https://tciurban-health-org/strengthening&the&linkages&between&community&structures&and&the&health&system&in&moradabad&uttar&pradesh/

इस टूल को डाउनलोड करने और संदर्भित करने के लिए https://tciurbanhealth.org/lessons/strengthening-womens-groups/ पर जाएं और अन्य टूल देखने के लिए https://tciurbanhealth.org/india-toolkit/ पर जाएं।

डिस्क्लेमरः यह दस्तावेज अक्टूबर 2016 से अक्टूबर 2021 की अवधि में बी.एम.जी.एफ और यू.एस.ए.आई.डी के पहले अनुदान के तहत गेट्स इंस्टीट्यूट द्वारा समर्थित द चौलेंज इनिशिएटिव इंडिया से मिली सीख पर आधारित है। इस परियोजना में इस विशेष पहलू पर किये गए कार्यो पर समग्र मार्गदर्शन प्रदान करता है जिन्हें संभवतः एडाप्ट और अडॉप्ट किया जा सकता है, यह प्रकृति में निर्देशात्मक नहीं है।

अधिक जानकारी के लिए, कृपया संपर्क करें: पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया, सी–445, चित्तरंजन पार्क, नई दिल्ली– 110019

पी.एस.आई इंडिया को कार्यक्रम कार्यान्वयन, योजना और नीति, अनुसंधान और मूल्यांकन, सामाजिक व्यवहार परिवर्तन संचार और रहने योग्य, सतत और स्वस्थ शहरों के निर्माण की रणनीति बनाने में योग्य विशेषज्ञता है।

अधिक जानकारी के लिये देखें: https://tciurbanhealth.org/overview/ | www.psi.org.in

JOHNS HOPKINS BLOOMBERG SCHOOL of PUBLIC HEALTH | William H. Gates Sr. Institute for Population and Reproductive Health | psi India Fit»Fast»Fwd